भारत - उरुग्वे संबंध

राजनीतिक संबंध

ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना स्थित भारतीय दूतावास को इसके साथ-साथ उरुग्वे का काम भी प्रत्यायित किया गया है। मिस्टर रुबेन अजर को भारत के मानद काउंसल के रूप में नियुक्त किया गया है। उरुग्वे के साथ भारत के संबंध मधुर और मित्रतापूर्ण हैं। भारत और उरुग्वे के बीच कोई विवाद नहीं है। भारत और उरुग्वे के बीच कोई विवाद लंबित नहीं है।

दोनों देशों के बीच विदेश कार्यालयी परामर्श के तीन दौर आयोजित हो चुके हैं। अंतिम दौर अप्रैल 2014 में हुआ था। श्री दिनकर खुल्लर, सचिव (पश्चिम) ने शिष्टमंडल का नेतृत्व किया।

यात्राएं :

भारत - एल ए सी संगोष्ठी में भाग लेने के लिए एक वाणिज्यिक शिष्टमंडल के साथ उरुग्वे के विदेश मंत्री श्री रोडोल्फ निन नोवोव ने 8 और 9 अक्टूबर, 2015 को भारत का दौरा किया। उन्होंने विदेश मंत्री से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय व्यापार, पर्यटन एवं आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्य मंत्री के साथ चर्चा भी की।

श्री दिनकर खुल्लर, सचिव (पश्चिम), विदेश मंत्रालय ने विदेश कार्यालयी परामर्श के लिए उरुग्वे का दौरा किया और 11 अप्रैल 2014 को मोंटवीडियो में उरुग्वे के कार्यवाहक विदेश मंत्री लुईस पोर्टो के साथ द्विपक्षीय बैठकें की।

फरवरी 2013 में, केंद्रीय इस्पात मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्मा और एनएमडीसी के एक शिष्टमंडल की यात्रा के दौरान श्री डी.आर.एस. चौधरी, सचिव (इस्पात) और मिस्टर रॉबर्टो क्रीमरमैन, उद्योग, ऊर्जा एवं खनन मंत्री, उरुग्वे द्वारा एक लैटर ऑफ इंटेंट (एलओएल) पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसका उद्देश्य लौह एवं इस्पात क्षेत्र में निवेश के अवसरों का पता लगाना और प्रोत्साहन देना तथा लौह अयस्क एवं इस्पात संबंधी कच्चे माल के संबंध में तकनीकी जानकारी के आदान-प्रदान को सुसाध्य बनाना है।

जनवरी 2012 के दौरान, श्रीमती मीरा कुमार, लोक सभा अध्यक्ष ने उरुग्वे जाने वाले एक भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया था। फरवरी 2011 के दौरान, उरुग्वे के उप राष्ट्रपति मिस्टर डैनिलो अस्तोरी ने भारत का दौरा किया था। अन्य महत्वपूर्ण दौरे इस प्रकार हैं:

उरुग्वे की ओर से भारत की महत्वपूर्ण यात्राएं

1999 डॉ0 ह्यूगो फर्नाण्डीज फेनगोल्ड, उप राष्ट्रपति

2004 मिस्टर विलियम एहलर्स, उप विदेश मंत्री

2010 उरुग्वे का संसदीय शिष्टमंडल

2015 विदेश मंत्री श्री रोडोल्फ निन नोवोव

भारत की ओर से उरुग्वे की महत्वपूर्ण यात्राएं

1968 प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी

2002 श्री दिग्विजय सिंह, विदेश राज्य मंत्री

2008 श्री आनंद शर्मा, विदेश राज्य मंत्री

2011 श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राज्य मंत्री (वाणिज्य)

भारत और उरुग्वे के बीच हुए करार और समझौता ज्ञापन

भारत और उरुग्वे के बीच हुए करार और समझौता ज्ञापन इस प्रकार हैं:

1. **दोहरे कराधान से बचने के लिए करार- सितंबर 2011**
2. **नवीकरणीय ऊर्जा संबंधी सहयोग के लिए करार - 2011**
3. **संयुक्त आयोग की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन - जनवरी 2007**
4. **विदेश कार्यालयी परामर्श संबंधी समझौता ज्ञापन - 1999**
5. **बीआईपीपीए (फरवरी 2008)**
6. **उरुग्वेयन डिप्लोमैटिक एकेडमी और भारतीय विदेश सेवा संस्थान के बीच करार -1999**
7. **व्यवसायियों के लिए दीर्घकालिक वीजा संबंधी करार- 1999**
8. **डिप्लोमैटिक एवं आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की छूट प्रदान करने संबंधी करार - 1994**

तकनीकी सहयोग एवं प्रशिक्षण

भारत उरुग्वे के कामकाजी पेशेवरों को हर साल आई टी ई सी छात्रवृत्तियां प्रदान करता है, तथा स्लॉटों की संख्या को बढ़ाने का इच्छुक है। उरुग्वे के राजनयिक समय-समय पर भारतीय विदेश सेवा संस्थान के प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं।

बहुपक्षीय मंचों पर समर्थन :

भारत और उरुग्वे ने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर हमेशा एक - दूसरे का समर्थन किया है तथा अर्जेंटीना यूएन एवं विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय निकायों में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करता

है। उरुग्वे ने हाल ही में 2015-17 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के चुनावों में भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किया है।

वाणिज्यिक संबंध :

द्विपक्षीय व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर में)

पिछले 6 वर्षों के लिए द्विपक्षीय व्यापार का ब्यौरा यहां नीचे दिया गया है :

वर्ष	भारत का निर्यात	वृद्धि	भारत का आयात	वृद्धि	कुल व्यापार	वृद्धि
2010.	59.	-	14.	-	73.	-
2011.	86.	45 प्रतिशत	21.	-49 प्रतिशत	107.	46 प्रतिशत
2012.	94.	9 प्रतिशत	18.	-1 प्रतिशत	112.	4 प्रतिशत
2013.	111.	17 प्रतिशत	17.	-4 प्रतिशत	128.	14 प्रतिशत
2014.	140.	27 प्रतिशत	17.	-1 प्रतिशत	157.	23 प्रतिशत

(स्रोत : मर्कोसुर ऑनलाइन)

उरुग्वे को भारत के निर्यात

रासायनिक पदार्थ, परिधान, वाहन, साउण्ड और इमेज उपकरण, औषधियां, लौह एवं इस्पात, सिंथेटिक धागा, उपकरण और मशीनरी।

उरुग्वे से भारत के आयात

ऊन, चमड़ा और लकड़ी

निवेश एवं संयुक्त उपक्रम

उरुग्वे लेटिन अमेरिका के बेहतर स्थायी और पारदर्शी बाजारों में से एक है जहां निवेशक अनुकूल नीतिगत माहौल है।

टीसीएस ने मोंटवीडियो में एक ग्लोबल डिलीवरी सेंटर स्थापित किया है जिसमें लगभग 60 भारतीयों के साथ-साथ 800 स्थानीय कर्मचारियों को नियोजित किया गया है। यह लेटिन अमेरिका में टीसीएस द्वारा 2002 में खोला गया पहला आईटी सेंटर था। टाटा मोटर्स ने भी हाल ही में मई 2015 में अपना प्रचालन शुरू कर दिया है। भारतीय आईटी कंपनी जियोडेसिक लिमिटेड ने मई 2009 में मोंटवीडियो में उरुग्वे की एक सॉफ्टवेयर कंपनी को अधिग्रहीत किया। उरुग्वे की कंपनी में 40 व्यक्तियों का स्टाफ है और यह कंपनी मोबाइल

फोनों एवं कंपनियों के लिए इंस्टेंट मैसेजिंग सॉल्यूसन एवं एप्लीकेशनों की विशेषज्ञ है। श्री प्रमोद अग्रवाल द्वारा प्रमोट की गई एक एनआरआई कंपनी, जमीन रिसोर्सेज, ने लौह अयस्क खनन परियोजना के काम में प्रवेश किया है। परियोजना की कुल लागत एक बिलियन डॉलर से अधिक है। कंपनी तैयारी चरण में और मोंटवीडियों में एक कार्यालय के लिए कई मिलियन डॉलर खर्च कर चुकी है। आर्सेलर मित्तल ने उरुग्वे के एक स्टेनलेस स्टील के ट्यूब निर्माता, सिंटर एस.ए. का अधिग्रहण (दिसंबर 2007 में) कर लिया है जिसकी 47 मिलियन डॉलर की बिक्री है और जिसमें लगभग 200 लोग नियोजित हैं। भारतीय वनस्पति तेल कंपनियों का एक कंसोर्टियम उरुग्वे में कृषि व्यवसाय में निवेश के लिए अवसर तलाश कर रहा है। सिंगापुर स्थित एक एनआरआई कंपनी ओलम ने 150 मिलियन डॉलर से अधिक में उरुग्वे के एक डेयरी फार्म को अधिग्रहीत कर लिया है। ओलम ने उरुग्वे में चावल की खेती करना भी शुरू कर दिया है। अन्य भारतीय कंपनियों ने फार्मा और कृषि व्यवसाय क्षेत्रों में निवेश करने में रुचि दर्शाई है।

कई भारतीय कंपनियां, जिनमें रिलायंस और शक्ति पम्प्स शामिल हैं, 'ग्रुपोरास' की बोंडेड वेयरहाउसिंग सुविधाओं का उपयोग करती हैं, जो अन्य भारतीय कंपनियों को विपणन सहायता के साथ-साथ सुविधा प्रदान करने के लिए उत्सुक है। उरुग्वे के प्रसिद्ध वास्तुविद कार्लोस ओट ने चेन्नई में टी सी एस के 250 मिलियन डॉलर के आई टी पार्क के के लिए काम किया, जो विश्व का सबसे बड़ा सॉफ्टवेयर विकास केंद्र है और जिसमें 24000 व्यावसायिक काम करते हैं। इसका उद्घाटन फरवरी 2011 में उरुग्वे के उप राष्ट्रपति द्वारा किया गया था।

व्यावसायिक शिष्टमंडल

दूतावास ने जून 2009 में और मई 2011 में उरुग्वे में व्यावसायिक सेमीनार आयोजित किए। मई 2011 के सेमीनार को उप राष्ट्रपति डेनिलो अस्तोरी ने संबोधित किया। अनेक भारतीय व्यावसायिक शिष्टमंडल समय-समय पर उरुग्वे का दौरा करते हैं। अगस्त 2013 में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस (एफआईईओ) शिष्टमंडल के क्रेता विक्रेता सम्मेलन में 14 कंपनियों के शिष्टमंडल ने उरुग्वे का दौरा किया था। मई 2013 में कर्नाटक चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने उरुग्वे का दौरा किया था जिसमें चैम्बर के 12 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सितंबर 2012 में, सीआईआई के शिष्टमंडल ने उरुग्वे का दौरा किया। सितंबर 2012 में एक छह सदस्यीय सीआईआई शिष्टमंडल ने उरुग्वे में भारतीय व्यवसाय एवं निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए मोंटवीडियो का दौरा किया। हाल ही में, मार्च 2014 में, परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एपेक) के एक शिष्टमंडल ने एक क्रेता विक्रेता सम्मेलन में भाग लेने के लिए मोंटवीडियो का दौरा किया।

सांस्कृतिक संबंध :

उरुग्वे में योग और ध्यान लोकप्रिय हैं। साई बाबा, हरे कृष्णा और अन्य आध्यात्मिक समूहों के कई हजार अनुयायी हैं। 10 योग विद्यालयों तथा टाटा मोटर्स के साथ मिलकर 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मार्च 2015 में मोंटेवीडियो में ओडिसी का एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें भारत और उरुग्वे के लोगों ने समान रूप से भारी संख्या में भाग लिया। भारतीय दूतावास, ब्यूनस आयर्स द्वारा 2009 में मोंटवीडियो में एक लघु भारत उत्सव का आयोजन किया गया था। उरुग्वे के सबसे प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी डिएगो फोरलान जुलाई 2010 में एक टीवी शो के लिए कोलकाता आए थे। रबींद्रनाथ टैगोर की 150वीं जयंती के स्मरण में उरुग्वे के डाक विभाग ने फरवरी 2011 में एक डाक टिकट जारी किया था।

भारतीय समुदाय

उरुग्वे में स्थाई निवास स्टेटस वाले लगभग 83 भारतीय हैं, जबकि 733 भारतीय दीर्घावधिक वीजा वाले हैं, जिनमें से अधिकांश टी सी एस के कर्मचारी हैं तथा मोंटेवीडियो में रहते हैं। गुजराती और सिंधी समुदायों के भी कुछ भारतीय हैं जो मुख्यत: आयातक हैं और भारतीय वस्त्रों और हस्तशिल्प के रिटेल आउटलेट चलाते हैं।

उपयोगी संसाधन :

मिशन का वेब पेज :

अर्जेंटीना में भारतीय मिशन का फेसबुक पेज :

मिशन का यूट्यूब चैनल

मिशन का ट्विटर पेज

अर्जेंटीना, उरूग्वे तथा पराग्वे में योग संस्थाओं एवं विद्यालयों की डायरेक्टरी

अर्जेंटीना, उरूग्वे तथा पराग्वे के साथ कारोबार करने के लिए पथ-प्रदर्शिका

*****

जनवरी, 2016